जी.एस.टी. दरों के सरलीकरण पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने जताया प्रधानमंत्री मोदी का आभार

गरीब, किसान, व्यापारी और उद्योगपतियों को मिलेगा सीधा लाभ, अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई रफ्तार : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) की दरों के सरलीकरण को लेकर गुरुवार को विधानसभा परिसर में पत्रकार वार्ता की।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) की दरों के सरलीकरण को ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का प्रदेशवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि इस फैसले से गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, व्यापारी और उद्योगपति सहित समाज के सभी वर्गों को सीधा लाभ मिलेगा और अर्थव्यवस्था को नई गति प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को विधानसभा परिसर में पत्रकार वार्ता की। उन्होंने बताया कि जीएसटी काउंसिल द्वारा लिए गए निर्णय के तहत अब चार दरों की जगह केवल दो दरें लागू होंगी। यह निर्णय आमजन की जरूरतों-रोटी, कपड़ा और मकान-को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह कदम आर्थिक सुधारों की दिशा में एक बड़ा और साहसिक निर्णय है, जो न केवल कर प्रणाली को सरल बनाएगा बल्कि पारदर्शिता और व्यापार सुगमता को भी बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि इस बदलाव से प्रदेश के व्यापारियों को जहां राहत मिलेगी, वहीं आम जनता को भी आवश्यक वस्तुओं पर कम टैक्स का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पंडित दीनदयाल उपाध्याय और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की अंत्योदय की भावना को साकार करते हुए अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रहे हैं।

डबल इंजन की सरकार विकास और जनकल्याण की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। शर्मा ने विश्वास जताया कि जीएसटी दरों के इस सरलीकरण से न केवल करदाताओं का विश्वास बढ़ेगा, बल्कि यह आगामी दीपावली को भी विशेष बना देगा, जब उपभोक्ताओं को महंगाई से राहत और बाजारों को रफ्तार मिलेगी। यह निर्णय, देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में केंद्र और राज्य सरकारों की साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

राज्य की सभी आंगनबाड़ी बनेंगी ''आदर्श'' : दिया कुमारी

जर्जर भवन होंगे तत्काल स्थानांतरित, एक सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरूवार को शासन सचिवालय में अधिकारियों की बैठक लेकर प्रदेश की आंगनबाड़ियों की दशा सुधारने पर चर्चा की।

जयपुर । राज्य की सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को ''आदर्श आंगनबाड़ी'' के रूप में विकसित करने के लक्ष्य को लेकर उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि फील्ड में जाकर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और विकास कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शासन सचिवालय में गुरुवार को आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जर्जर और असुरक्षित भवनों को तुरंत ध्वस्त कर आंगनबाडी केंद्रों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिलों में कलेक्टरों के माध्यम से आंगनबाडी केंद्रों का सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के शासन सचिव महेन्द्र सोनी, निदेशक वासुदेव मालावत, मुख्य अभियंता (भवन), समग्र शिक्षा अभियान के अधिकारी, प्रभारी नंद घर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वहीं, सभी जिलों के उपनिदेशक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।उप मुख्यमंत्री ने जिलेवार प्रगति की समीक्षा करते हुए बजट के समयबद्ध और पारदर्शी उपयोग पर बल दिया।

उन्होंने नाराजगी जताई कि कई जिलों में अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुए हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि एक सप्ताह में सभी जिलों से कार्यों की अद्यतन रिपोर्ट अनिवार्य रूप से भेजी जाए और आगामी 15 दिनों में पुनः प्रगति की समीक्षा की जाएगी।दिया कुमारी ने कहा कि आंगनबाडी भवनों को सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाओं से युक्त किया जाए। साथ ही, राज्य सरकार के बजट के अतिरिक्त सीएसआर, आपदा सहायता फंड, जिला खनिज फंड और विधायक निधि जैसी योजनाओं के माध्यम से भी संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जाए।

कपड़ों की सिलाई बिगाड़ी, टेलर पर लगाया 10 हजार रुपए का हर्जाना

जयपुर । जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-प्रथम ने ग्राहक के पेंट-शर्ट के कपड़ों की सिलाई बिगाड़ने को सेवादोष करार देते हुए मैसर्स रॉयल टेलर्स पर 10 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने टेलर को निर्देश दिया है कि वह पेंट-शर्ट के कपड़ों की सिलाई व उनकी कीमत 5,488 रुपए परिवाद दायर करने की तारीख से 9 प्रतिशत ब्याज सहित परिवादी को भुगतान करे। आयोग के अध्यक्ष डॉ. सूबे सिंह यादव, सदस्य हेमलता अग्रवाल व सदस्य आशुतोष ने यह आदेश विजय कुमार मल्होत्रा के परिवाद पर दिए।

परिवाद में अधिवक्ता हेमंत कुमार गुप्ता ने बताया कि 11 अगस्त 2021 को परिवादी ने शर्ट व दो पेंट का कपडा विपक्षी को सिलाई के लिए दिया था। टेलर ने पन्द्रह सौ रुपए सिलाई तय की और 22 अगस्त तक डिलीवरी देने को कहा।

परिवादी 14 अगस्त को कपड़ों की ट्रायल के लिए गया तो वह ढीले थे और उनकी फिटिंग सही नहीं थी। विपक्षी ने उसे कहा कि वह इन्हें सही कर देगा, लेकिन परिवादी जब सिले कपडे लेने गया तो वह खराब ही थे। इसलिए उसे विपक्षी से हर्जा-खर्चा सहित कपड़ों की कीमत दिलवाई जाए। इसके जवाब में विपक्षी टेलर ने कहा कि परिवादी 14 अगस्त को ट्रायल के लिए नहीं आया था। वह अपनी सुविधानुसार 28 अगस्त को ट्रायल के लिए आया और 30 अगस्त को डिलीवरी ले गया। कपड़ों की सिलाई 1560 रुपए थी। इसमें से साठ रुपए छूट देते हुए पन्द्रह सौ रुपए ऑनलाइन भुगतान लिया गया। उसने कोई सेवा दोष नहीं किया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के आयोग ने टेलर पर हर्जाना लगाया है।

हैरिटेज निगम जयपुर के वार्ड 63 के उपचुनाव में कांग्रेस की जीत

59 वोट से कांग्रेस उम्मीदवार भानू सैनी ने जीता पार्षद का चुनाव

हैरिटेज निगम जयपुर के वार्ड 63 के उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी भानू सैनी की जीत के बाद कांग्रेस पार्षदों ने मुख्यालय पर जश्न मनाया।

जयपुर (कासं)। नगर निगम हैरिटेज के वार्ड 63 के उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी भानू सैनी ने 59 वोट से जीत हासिल की। यहां बागी सीमा मीणा ने बीजेपी प्रत्याशी रितु नंदवाना को तीसरे नंबर पर धकेला। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से हैरिटेज निगम के वार्ड 63 में उपचुनाव की मतगणना पूरी हुई। यहां त्रिकोणीय संघर्ष में कांग्रेस पार्टी उम्मीदवार भानू सैनी ने 59 वोटों से जीत दर्ज करके सबकों चौंका दिया। इसका कारण यह है कि राज्य में भाजपा की सरकार है और निगम में भी भाजपा की महापौर डॉ. कुसुम यादव है।

चुनाव जीतने के बाद भानू सैनी ने कहा कि यह वार्ड की जनता और कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं की जीत है। आने वाले दिनों में वार्ड का विकास कैसे किया जा सके। इसी मुद्दे को लेकर काम करना मेरी प्राथमिकता रहेगी।

दरअसल, हैरिटेज निगम के वार्ड 63 में पार्षद पद के लिए उपचुनाव की

- बागी सीमा मीणा ने बीजेपी प्रत्याशी रितु नंदवाना को तीसरे नंबर पर धकेला

मतगणना पूरी हुई, जिसके लिए कांग्रेस से भानु सैनी, बीजेपी से रितु नंदवाना और पूर्व पार्षद की पुत्रवधू सीमा मीणा भी चुनावी मैदान में थी। जिसकी वजह से मुकाबला रोचक त्रिकोणीय संघर्ष में बदल गया था। इस मुकाबले में कांग्रेसी प्रत्याशी की जहां जीत हुई है, वहीं कांग्रेस से बीजेपी में शामिल हुई सुशीला मीणा की पुत्रवधू सीमा मीणा ने बागी चुनाव लड़कर बीजेपी प्रत्याशी रितु नंदवाना को तीसरे नंबर पर धकेल दिया।किशनपोल विधायक अमीन कागजी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कुशासन से जनता परेशान हो चुकी है। निकाय के उपचुनाव में वोट की चोट देकर जनता ने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को जानकारी कर तीसरे नंबर पर पहुंचा दिया है। जिससे जयपुर में किए गए बीजेपी के विकास के दावों की पोल खुल गई है। आने वाले निकाय चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी जयपुर में अपना बोर्ड बनाकर ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी।

बता दें कि नगर निगम हैरिटेज के वार्ड 63 में कुल 8 हजार 132 मतदाता है। जिनमें से बुधवार को पार्षद पद के उपचुनाव में सिर्फ 3745 (46.06 प्रतिशत) मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। इनमें भानु सैनी को 1358, सीमा मीणा को 1299 और रितु नंदवाना को 1062 वोट मिले है। जबकि 26 मतदाताओं ने नोटा का इस्तेमाल किया है। हालांकि चुनाव परिणाम आने के बाद भी कांग्रेसी पार्षद भानु सैनी का कार्यकाल सिर्फ कुछ महीनों का ही रहेगा। क्योंकि नगर निगम हैरिटेज के मौजूदा बोर्ड का कार्यकाल इसी साल नवंबर में खत्म होने जा रहा है।

झालावाड़ स्कूल हादसे के बाद अस्पताल में प्रदर्शन मामले में नरेश मीणा को जमानत

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने झालावाड़ में स्कूल इमारत के गिरने की घटना के बाद स्थानीय अस्पताल में प्रदर्शन से जुड़े मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे नरेश मीणा को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश नरेश मीणा की जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

जमानत याचिका में अधिवक्ता रजनीश गुप्ता और एफआर मीणा ने अदालत को बताया कि 25 जुलाई को झालावाड़ में सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा गिर गया था। जिसमें कुछ बच्चों की मौत हो गई थी और कई घायल हो गए थे। इसके बाद अस्पताल के बाहर लोगों ने धरना और प्रदर्शन कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी। याचिकाकर्ता भी वहां पहुंचा था। इस दौरान पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए याचिकाकर्ता के खिलाफ पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की और चिकित्सकों को इलाज से रोकने का आरोप लगाते हुए राजकार्य में बाधा का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया लिया। जमानत याचिका में कहा गया कि मामले में याचिकाकर्ता को फंसाया गया है और यह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता ने धरना देकर वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की की और चिकित्सकों को भी रोका। ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाकर्ता को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। गौरतलब है कि 25 जुलाई को झालावाड़ के पिपलौदी गांव में सरकारी स्कूल की छत ढहने से कुछ बच्चों की मौत हो गई थी।

विधानसभा में शाहपुरा अस्पताल पर हंगामा

-विधानसभा संवाददाता-

- मंत्री के जवाबों पर विपक्ष ने उठाए सवाल

जयपुर । शाहपुरा उपजिला अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर के निर्माण को लेकर गुरुवार को राजस्थान विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। अस्पताल के लिए पहले से तय स्थान पर निर्माण न करवाकर नई जगह तलाशने और टेंडर रद्द करने के मुद्दे पर कांग्रेस विधायकों ने स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर को घेरा और उनके जवाबों को विरोधाभासी बताया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि वर्ष 2021 में कांग्रेस सरकार के समय जो भूमि अस्पताल निर्माण के लिए प्रस्तावित की गई थी, वह पर्याप्त नहीं थी। जमीन कम होने के कारण पहले जारी निविदा निरस्त करनी पडी। अब उपयुक्त जमीन मिलने के बाद दोबारा टेंडर जारी किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने जिन परिस्थितियों में अस्पताल को मंजूरी दी, वे ही अब विवाद का कारण बन रही हैं। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि जिन पूर्व विधायकों के काम को आप गलत बता रहे हैं, वे अब आपकी ही पार्टी में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस विधायक मनीष यादव ने भी मंत्री के जवाबों पर सवाल उठाते हुए कहा कि 5 जुलाई को विधानसभा में दिए गए जवाब में मंत्री ने शाहपुरा अस्पताल की जमीन को उपयुक्त बताया था, अब वही जमीन गलत कैसे हो गई? उन्होंने यह भी पूछा कि इस निर्णय में स्थानीय विधायक से कोई राय क्यों नहीं ली गई।

स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने जवाब में गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ भूमाफिया अब दानदाता बनकर अस्पताल को डीटीओ के पास ले जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पहले इन्हीं लोगों ने डीटीओ कार्यालय को मनचाही जगह शिफ्ट कराया, अब अस्पताल को भी वहां ले जाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ट्रॉमा सेंटर जैसी सुविधा के लिए पर्याप्त भूमि की आवश्यकता है और तकनीकी दृष्टि से पुरानी जमीन उपयुक्त नहीं है। विपक्ष ने सरकार पर जनविरोधी निर्णय लेने का आरोप लगाया और कहा कि पहले की गई स्वीकृति को पलटकर जनता को भ्रमित किया जा रहा है। विपक्ष ने मांग की कि पुराने स्थान पर ही अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर का निर्माण हो, जिससे जनता को शीघ्र बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। वहीं सरकार ने दोहराया कि जैसे ही उपयुक्त भूमि का आवंटन होगा, निर्माण की प्रक्रिया फिर से शुरू की जाएगी।

150 वर्ष पुराने रथ पर निकलेंगे श्री ठाकुर जी नगर भ्रमण पर

जयपुर। राजधानी जयपुर में शुक्रवार को (भादवा तेरस) को ठिकाना मंदिर श्री रामचंद्र जी चांदपोल बाजार से श्री सियाराम जी की वार्षिक नगर परिक्रमा निकली जाएगी। जहां सांगानेरी गेट हनुमान जी के मंदिर में भरत मिलाप होगा।

मंदिर महंत नरेंद्र तिवाडी ने बताया कि इस रथ यात्रा की खास बात यह है इसमें श्री राम दरबार के सजीव स्वरूप बना कर ब्राह्मण बालकों को बैठाया जाता है । जिस रथ में श्री राम विराजते है वो रथ शुद्ध शीशम की लकडी से बना हुआ है और लकडी का जुड़ा, लोहे की कमानिया,जालियां इत्यादि बडी सुंदरता से बने हुए है। इस रथ को बैलों की जोडी खींचते है जो वर्षों से रामावतार साहू के घर से आ रहे है। रथ को रखने के लिए मंदिर बड़ा रथ खाना बना हुआ है ।ठिकाना मंदिर श्री रामचंद्र जी चांदपोल बाजार की शाम को रथ सज कर भरत और शत्रुघ्न को लेकर सात बजे सांगानेरी गेट हनुमान जी के मंदिर पहुंचेगा। वहां पर श्री राम जी का भरत मिलाप का अदभुत कार्यक्रम होगा। फिर भरत जी उनकी आरती और विनती करके उन्हें राजसी वेश धारण करवा के बैंड बाजे लवाजमे भक्त प्रजा जन के साथ मंदिर लेकर आयेंगे।

गौ-माता को अर्थव्यवस्था से जोड़ना सराहनीय कदम : कलराज मिश्र

जयपुर में गौ-महाकुंभ का शुभारंभ हुआ, 7 सितंबर तक जारी रहेगा

-कार्यालय संवाददाता-

राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र और आध्यात्मिक प्रवक्ता सद्गुरु रितेश्वर महाराज ने जयपुर के विद्याधर नगर में गौ-महाकुंभ में शिरकत की।

- कृषि प्रधान देश भारत में गौमाता का विशेष योगदान, अब पुनः पुरानी संस्कृति की ओर लौटने की जरूरत : मंत्री झाबर सिंह खर्रा
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिछले बजट सत्र में घोषणा की थी, जो किसान गौवंश से खेती करेंगे उन्हें 25 हजार का अनुदान मिलेगा : यूडीएच मंत्री

जयपुर। विद्याधर नगर स्टेडियम में गुरुवार को देवराहा बाबा गौसेवा परिवार की ओर से गौ-महाकुंभ 2025 का शुभारंभ हुआ। यह महाकुंभ 7 सितम्बर तक चलेगा। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन से हुई। मुख्य अतिथि को शॉल ओढाकर बुके भेंट कर स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि, गाय को भारतीय संस्कृति में मां का दर्जा प्राप्त है उनको लेकर इस तरह के आयोजन होते हैं ये सराहनीय कदम है। इसी तरह गौ-माता को अर्थव्यवस्था से जोड़ना भी एक तरह से अच्छा कदम है। गौ महाकुंभ 2025 परंपरा और प्रौद्योगिकी का संगम है।

आध्यात्मिक प्रवक्ता सद्गुरु रितेश्वर महाराज ने कहा कि गाय हमारी सनातन संस्कृति का मुख्य आधार है। गाय का इतना बड़ा आयोजन करने वालों पर गौमाता की कृपा बरस रही है। जहां गौमाता से संबंधित कोई कार्य होता है उसमें किसी सहयोग की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि गौमाता के आशीर्वाद से ही सब कार्य पूर्ण हो जाते हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा किसानों की मदद कर रहे हैं, ये सुनकर बहुत अच्छा लग रहा है। सदगुरु रितेश्वर महाराज ने इसके पूर्व में 33 करोड़ आहुतियों के संकल्प के साथ गौ पुष्टि महायज्ञ की शुरुआत की, जिसमें सवा लाख आहुतियां का कार्यक्रम चल रहा है।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि प्रचीन काल में हमारे पूर्वजों का प्रकृति नदी, पहाड और गौमाता से लगाव था। कृषि प्रधान देश होने के नाते भारत की कृषि में गौमाता का विशेष योगदान है। बैलों से सिंचाई कार्य होता था। आधुनिकता के इस दौर में कृषि क्षेत्र गौण होता चला गया इसी का परिणाम कि आज प्राकृतिक असंतुलन बढ रहा है। शारीरिक स्वास्थ्य खत्म होता जा रहा है परन्तु अब पुन:इसी कड़ी में पौराणिक संस्कृति की तरफ लौटने के लिए ये गौ महाकुंभ का आयोजन किया गया है। गौमाता के माध्यम से विभिन्न उत्पादों के सृजन का शोध भी किया जा रहा है। भारत सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में राजस्थान सरकार भी इस दिशा में विशेष प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने पिछले बजट सत्र में जो किसान भाई बहन के माध्यम से खेती करेंगे उन्हें 25 हजार का अनुदान देने की घोषणा की है। निश्चित रूप से इससे गौ संरक्षण में वृद्धि होगी और भारत देश में खुशहाली का दौर वापस आएगा। देवराहा बाबा गौसेवा परिवार के राष्ट्रीय प्रचारक संजय शर्मा तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ सत्यप्रकाश वर्मा ने कहा गौ महाकुंभ में बताएंगे गौ संरक्षण किस तरह किया जाए। हम कई वर्षों से गौ संरक्षण पर काम कर रहे हैं लेकिन गाय केवल हमारे लिए गोशाला का विषय रह गई है। हमारा लक्ष्य उनसे दूर है। गाय का गौबर, दूध, गौमूत्र हमारे जीवन में बेहद उपयोगी जिनसे कपास, जैविक खाद, आधुनिक पशुपालन की तकनीक और गौ स्टार्टअप्स विकसित हो रहे हैं। इनकी जानकारी गौ महाकुंभ में दी जाएगी।आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक और गौसेवक शंकर जी कहा कि देशी गाय के उपयोग से हम स्वस्थ और निरोगी रह सकते हैं। गाय के धार्मिक पहलू से हम पहले से अवगत हैं लेकिन आर्थिक पहलू पर ध्यान दिए बिना गाय का संवर्धन नहीं हो सकता है। गाय के विकास में एसबीआई भी हमारा सहयोगी जिसकी मदद से 2 से 10 करोड़ रुपये तक का लोन आसानी से मिल जाता है। डेयरी, फूड प्रोसेसिंग, पशुपालन किसी भी तरह का कार्य हो उसमें मदद मिल जाती है। कार्यक्रम में महापौर कुसुम यादव, वृंदावन से आए संजीव कृष्ण ठाकुर महाराज, आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक और गौसेवक शंकर, भाजपा के प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज, राजस्थान ग्रामीण बैंक के जनरल मैनेजर श्याम सिंह, एसबीआई के डीजीएम रविशंकर, शिवव्रत जी, गौ महाकुंभ के चेयरमैन डॉ लालसिंह,समन्वयक मृदुल शर्मा, सदस्य डॉ युद्धवीर सिंह बलवदा, डॉ अशोक कुमावत, एस. बी नवरंग , सुरेन्द्र अवाना, पूरण चौधरी, भरत राजपुरोहित , मनीष जैन समेत अन्य गणमान्य मौजूद थे।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही विवाहिता ने की आत्महत्या

जयपुर। कालवाड़ थाना इलाके में कॉम्पिटिशन एग्जाम की तैयारी कर रहीं विवाहिता ने अज्ञात कारणों के चलते फंदे से झूल अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। काफी देर बाद पिता अपने बेटी को बुलाने के लिए कमरे में पहुंचा तो मामले की जानकारी पता चला।

जिसके बाद पीड़ित पिता ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार अपने कब्जें में लिया और पोस्टमार्टम के लिए शव को कांवटिया अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया।पुलिस ने बताया कि मांचवा के नारी का बास निवासी ज्योति यादव (20) ने अज्ञात कारणों के चलते फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया। बताया जा रहा है कि 3 साल पहले ज्योति की शादी बिंदायका के रहने वाले योगेश यादव से हुई थी। शादी के बाद भी वह अपने पिता बाबूलाल के साथ रहकर कॉम्पिटिशन एग्जाम की तैयारी कर रही थी। बुधवार सुबह नाश्ता करने के बाद वह अपने कमरे में वापस चली गई। कमरे में जाने के बाद उसने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली । करीब 2 घंटे बाद पिता बाबूलाल किसी काम से ज्योति को बुलाने के लिए कमरे में गए तो उन्हें ज्योति फंदे से लटकी मिली। पुलिस को मृतका के पास से किसी भी तरह का कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस अज्ञात कारणों की जांच करने में जुटी है।

राजधानी जयपुर में पिछले चार दिनों से चल रहा बारिश का दौर गुरूवार को भी जारी रहा इस दौरान तेज हवाओं और बारिश से सवाईमानसिंह हॉस्पिटल के ट्रोमा सेंटर के बाहर एक विशाल पेड धराशायी हो गया जिसे काटकर मौके से हटाया गया।